अंक योजना- PRACTICE PAPER-2 (2020-21)

(हिंदी माध्यम)

कक्षा XII अर्थशास्त्र (030)

प्रश्न संख्या	उत्तर	अंक
	भाग A - समष्टि अर्थशास्त्र	
1	(c) किसी देश की राष्ट्रीय आय या (d) 1000 रुपये	1
2	(c) एक मध्यवर्ती वस्तु	1
3	(b) राजकोषीय घाटा;	1
4	(b) b - ii	1
5	(a) विपरीत	1
6	(a) चालू ,पूंजीगत	1
7	त्योहारों का मौसम	1
8	(a) 6 महीने	1
9	वृद्धि	1
10	(d) 29%	1
1 1	मध्यवर्ती वस्तु: मध्यवर्ती वस्तु वे वस्तुएं होती हैं जो उत्पादन की सीमा रेखा के अंदर होती हैं और अपने अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा उपयोग के लिए तैयार नहीं होती हैं। ये वस्तुएं आगे की बिक्री के लिए खरीदी जाती हैं या उत्पादकों द्वारा कच्चे माल के रूप में उपयोग की जाती हैं । उदाहरण के लिए, कारखाने में इस्तेमाल किया गया कोयला। अंतिम वस्तु: अंतिम वस्तु वे वस्तुएं होती हैं जो या तो उपभोग के लिए या निवेश के लिए उपयोग की जाती हैं । वे इस अर्थ में उपयोग के लिए	3

https://www.evidyarthi.in

	तैयार हैं कि कोई मूल्य नहीं जोड़ना है। उदाहरण , उपभोग के लिए गृहस्थ द्वारा खरीदा गया दूध।	
12	(a) गलत: स्वायत्त लेनदेन चालू और पूंजीगत दोनों खातों में होते हैं (b) सही: विदेशी निवेश बीओपी (B.O.P.)के पूंजीगत खाते में दर्ज किए जाते हैं क्योंकि यह देश की संपत्ति में बदलाव का कारण बनता है। अथवा दिए गए कथन का खंडन किया जाता है। स्वायत्त लेनदेन के कारण घाटा होता है। घाटे को दूर करने के लिए, समायोजन लेनदेन किया जाता है ।	3
13	इस संबंध में निम्नलिखित टिप्पणियों पर ध्यान दिया जा सकता है : तर्क 1: साख निर्माण निवेश के उद्देश्य के लिए ऋण की उपलब्धता का विस्तार करके विकास की प्रक्रिया को तेज करता है । तर्क 2: साख निर्माण बाजार के आकार (या कुल मांग) के विस्तार से विकास की प्रक्रिया में योगदान देता है , क्योंकि उपभोक्ता को टिकाऊ वस्तुओं की खरीद के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ जाती है।	2 + 2
14	(i) आय के संतुलन के स्तर के लिए Y = C + I Y = 100 + 0.7Y + 500 Y -0.7Y = 600 Y = 2000 आय का समतुल्य स्तर = 2000 (ii) उपभोग (C) = 100 + 0.7Y = 100 +(0.7 X 2000) = 100 + 1400 = 1500 अथवा (i) प्रत्याशित निवेश : प्रत्याशित निवेश से आशय उन निवेशों की मात्रा से है जो निवेशक किसी अर्थव्यवस्था में आय के विभिन्न स्तरों पर निवेश करने की योजना बनाते हैं । (ii) अनैच्छिक बेरोजगारी : अनैच्छिक बेरोजगारी एक ऐसी स्थिति को	2 2 2 + 2

https://www.evidyarthi.in

	संदर्भित करती है, जिसमें वे सभी लोग, जो वर्तमान मजदूरी दर पर काम करने के इच्छुक और सक्षम हैं, को काम नहीं मिलता है।	
15	**(i) अतिरिक्त मांग को ठीक करने के लिए केंद्रीय बैंक, बैंक दर बढ़ा सकता है। यह वाणिज्यिक बैंक को ब्याज दर बढ़ाने के लिए मजबूर करता है। यह निवेश और उपभोग के लिए जनता द्वारा उधार लेने की मांग को कम करता है। सकल मांग गिर जाती है।** **(ii) जब अधिक मांग होती है तो केंद्रीय बैंक प्रतिभूतियों की बिक्री करता है। इससे वाणिज्यिक बैंक से धन का प्रवाह केंद्रीय बैंक में हो जाता है। इससे बैंकों के पास जमा कम हो जाता है, जिससे उनकी उधार देने की क्षमता में गिरावट आती है। कुल मांग में गिरावट आती है।**	**2 + 2**
16	**(i) एक फर्म द्वारा मैकेनिक को दी गई** फीस **को शामिल नहीं किया जाता है क्योंकि यह फर्म की एक मध्यवर्ती लागत है और दोहरी गणना से बचने के लिए।** **(ii) किसी व्यक्ति द्वारा दिया गया ब्याज शामिल नहीं है क्योंकि ऋण उपभोग व्यय को पूरा करने के लिए लिया गया है और इसलिए इस तरह के ऋण पर दिया गया ब्याज एक कारक भुगतान नहीं है।** **(iii)** एक फर्म द्वारा कार खरीदने पर खर्च शामिल **होगा** क्योंकि यह एक निवेश व्यय **है और** एक अंतिम व्यय है। **अथवा** **आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय** **= स्व-नियोजित की मिश्रित आय + कर्मचारियों का पारिश्रमिक + किराया + ब्याज+ लाभ + विदेश से शुद्ध कारक आय** **= 35 + 250 + 75 + 25 + 100 + (-5) = 480 करोड़ रुपये** **राष्ट्रीय आय, व्यय विधि द्वारा** **= निजी क्षेत्र का अंतिम उपभोग व्यय** **+ सरकारी क्षेत्र का अंतिम उपभोग व्यय + सकल घरेलू स्थिर पूंजी**	**2 + 2 + 2** **3 + 3**

https://www.evidyarthi.in

	निर्माण + (**अंतिम स्टॉक** -आरंभिक स्टॉक) + **शुद्ध निर्यात** - **स्थिर पूंजी का उपभोग** + **विदेश से शुद्ध कारक आय** **- शुद्ध अप्रत्यक्ष कर** = 350 + 100 + 70 + (25 - 15) + (10 - 20) -10 + (-5) -25 = 480 **करोड़**	
17	**(i) सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों की बिक्री से प्राप्त प्राप्ति एक पूंजीगत प्राप्ति है, क्योंकि यह सरकार की परिसंपत्ति में कमी का कारण बनती है।** **(ii) जनता से उधार लेना एक पूंजीगत प्राप्ति है, क्योंकि यह सरकार के लिए दायित्व उत्पन्न करती है।** **(iii) सरकार को प्राप्त आयकर राजस्व प्राप्ति है, क्योंकि यह न तो देयता उत्पन्न करता है और न ही सरकार की परिसंपत्ति में कमी लाता है।**	2 + 2 + 2
	भाग B - भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	
18	**(D. उपरोक्त सभी।**	1
19	**(B) 1881**	1
20	**(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण है ।**	1
21	**(b) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**	1
22	**(c) C - iii**	1
23	**(a) कृषि से संबंधित है**	1
24	**खाद्यान्न**	1
25	**कृषि उपकरण**	1
26	**अमेरिका**	1
27	**ग्रामीण क्षेत्र**	1
28	• **कार्य के लिए राष्ट्रीय खाद्य कार्यक्रम (NFFWP):**	3

https://www.evidyarthi.in

	यह 2004 में शुरू किया गया था • **पूरक मजदूरी की पीढ़ी तेज करने के उद्देश्य रोजगार** • यह शुरू में देश के 150 सबसे पिछड़े जिलों में लागू किया गया था • **इस** कार्यक्रम को 100 प्रतिशत केंद्र **द्वारा** प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया गया था । • **इस कार्यक्रम को 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) में शामिल किया गया था ।** **अथवा** **हरित क्रांति: HYV बीजों के संयुक्त उपयोग और उर्वरकों के बढ़ते उपयोग और सिंचाई की विकसित तकनीक द्वारा खाद्यान्न के उत्पादन को हरित क्रांति कहा जाता है । इसके कारण खाद्यान्न विशेषकर चावल और गेहूं के उत्पादन में वृद्धि हुई ।** **स्वर्णिम क्रांति: बागवानी फसलों के उत्पादन में तेजी से वृद्धि जैसे फल, सब्जियां , फूल आदि को स्वर्ण क्रांति के रूप में जाना जाता है। इसने फल, सब्जियों, फूलों, मसालों आदि के उत्पादन में वृद्धि की ।**	
29	**(i) शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता के कारण नियमित वेतनभोगी कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में अधिक हैं।** **जैसे उन्हें अपने कौशल के बेहतर अवसर मिलते हैं ।** **(ii) जबकि, ग्रामीण क्षेत्रों में, अधिकांश लोग निरक्षर हैं और उनमें कौशल की कमी है, जिनकी नियमित रोजगार के लिए आवश्यकता है।**	**3**
30	**सरकार के व्यय और राजस्व नीतियों में सुधार के लिए राजकोषीय नीतिगत सुधार किए गए थे । निम्नलिखित कदम उठाए गए थे :** **(a) कर सुधार: कर दरों को कम किया गया था, कर चोरी को रोका गया था और प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया था।** **(b) अनावश्यक खर्चों में कटौती करके सरकारी खर्च पर अंकुश लगाया गया। उधार कम कर दिए गए और सभी घाटे वाले सार्वजनिक उपक्रमों को**	**4**

https://www.evidyarthi.in

	बंद कर दिया गया। (c) बजटीय घाटे को कम करने के लिए PSU में विनिवेश शुरू किया गया था।	
31	आयात प्रतिस्थापन नीति का उद्देश्य घरेलू उत्पादन के साथ आयात को प्रतिस्थापित करना है । उदाहरण के लिए, यदि विदेश से वाहनों का आयात किया जाता है, तो उद्योगों को उन्हें भारत में ही उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसे भारत में लागू किया गया था क्योंकि सरकार घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना चाहती थी। यह मान लिया गया था कि यदि घरेलू उद्योगों की रक्षा की जाती है, तो वे समय के साथ प्रतिस्पर्धा करना सीख जाएंगे। अथवा हां, सरकार की नवरत्न नीति ने भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद की है। सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्र (लाभ कमाने वाले) के उपक्रमों को विशेष अधिकार देने का निर्णय लिया और उन्हें नवरत्नों का दर्जा दिया गया । इन नवरत्नों को कंपनियों के कामकाज में वित्तीय और परिचालन स्वायत्तता प्रदान की गई थी। कुछ PSU में IOCL, BPCL, ONGC, SAIL, BHEL, NTPC, MTNL, GAIL आदि हैं।	4
32	चीन भारत की तुलना में औद्योगिक क्षेत्र पर अधिक निर्भरता रखने में सफल रहा है । यह होने के कारण है (i) GLF, 1958 में चीन में शुरू किया गया एक अभियान था जो देश के व्यापक औद्योगिकीकरण पर केंद्रित था । (ii) 1978 में सुधारों की शुरूआत और औद्योगिकीकरण ने चीन के विनिर्माण निर्यात को बड़ा आयाम दिया ।	4

https://www.evidyarthi.in

33	**निम्नलिखित सुझाव हैं।** **1. गैर- कृषि रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाना चाहिए ।** **2. ग्रामीण लोगों के बीच सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता लाना चाहिए ।** **3.लघु और कुटीर उद्योगों का विकास किया जाना किया जाना चाहिए ।** **4. ग्रामीण लोगों को तकनीकी ज्ञान प्रदान करना चाहिए।** **(संक्षिप्त विवरण के साथ)** **अथवा** **कारक जो भूमि क्षरण के लिए उत्तरदायी हैं:** **(a) वनों की कटाई के कारण वनस्पति की हानि** **(b)** निरंतर ईंधन लकड़ी और चारा निकासी **(c) कृषि भूमि का दूसरे कार्यों में स्थानांतरण** **(d) वन भूमि में अतिक्रमण** **(e) जंगल की आग और अधिक चराई** **(f) गैर पर्याप्त मृदा संरक्षण उपायों को अपनाना** **(g) अनुचित फसल चक्रण** **(h) कृषि रसायनों जैसे उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध उपयोग** **(i) सिंचाई प्रणालियों की अनुचित योजना और प्रबंधन** **(संक्षिप्त विवरण के साथ कोई भी छह)**	**6**
34	**(a) गलत: ब्रिटिश शासन से पहले भारत की अर्थव्यवस्था एक स्वतंत्र, समृद्ध और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था थी।** **(b) गलत: ऑन-द-जॉब-प्रशिक्षण मानव पूंजी निर्माण का एक स्रोत है क्योंकि यह श्रमिकों के कौशल और दक्षता को बढ़ाता है और उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि की ओर जाता है** **(c) सही: कोयले को एक गैर-** नवीकरणीय **ऊर्जा स्रोत के रूप में वर्गीकृत किया जाता है क्योंकि इसे बनने में लाखों वर्ष लगते हैं।**	**2 + 2 + 2**

https://www.evidyarthi.in